Physical Features of India

भारत के भौतिक स्वरूप

1. **उत्तरी पर्वतीय प्रदेश अथवा महान हिमालय प्रदेश**

Northern Mountain Region or The Great Himalayan Region

2. विशाल मैदान/ सिंधु -गंगा -ब्रह्मपुत्र मैदान

The Great Plains or Indus-Ganga-Brahmputra Plain

3. प्रायद्वीपीय पठारी प्रदेश/ दक्कन का लावा प्रदेश

The Peninsular Plateau or Deccan Lava Plateau

4. तटीय प्रदेश एवं द्वीपसमूह

The Coastal regions and Islands

उत्तरी पर्वतीय प्रदेश अथवा महान हिमालय प्रदेश
Northern Mountain Region or The Great Himalayan Region

- उच्च धरातल, हिमाच्छादित चोटिया, गहरा व कटा -फटा धरातल, पूर्व गामी जल प्रवाह इत्यादि विशेषताएं इस पर्वतीय भाग को विशिष्ट बनाती है।
- यह पर्वतमाला सिंधु नदी के मोड़ से प्रारंभ होकर ब्रह्मपुत्र ब्रह्मपुत्र नदी के मोड़ तक फैली हुई है।
- पूर्व से पश्चिम इसकी लंबाई किलोमीटर है 2400 किलोमीटर है।
- इसकी चौड़ाई 160 से 400 किलोमीटर के बीच है।
- इसकी औसत ऊंचाई 6000 मीटर है।
- यह पर्वतमाला भारत के 5 लाख वर्ग किलोमीटर क्षेत्रफल में विस्तृत है।
- यह नवीन मोड़ दार पर्वतमाला है।

हिमालय का भौगोलिक वर्गीकरण:

हिमालय पर्वत श्रृंखला में कई पर्वत श्रेणियां हैं, जो एक दूसरे के समानांतर फैली हुई है जो कि इस प्रकार है:-

1. **बृहत हिमालय / आंतरिक हिमालय / महान हिमालय / हिमाद्री**

   Inner Himalaya / Great Himalaya / Himadri

2. **मध्य हिमालय / लघु- हिमालय**

   Middle Himalaya / Lesser Himalaya

3. **उप- हिमालय / बाह्य हिमालय / शिवालिक**

   Sub- Himalaya / Outer Himalaya / Shivaliks

4. **ट्रांस हिमालय / तिब्बत हिमालय**

   Trans Himalaya / Tibbet Himalaya

बृहत हिमालय / आंतरिक हिमालय / महान हिमालय / हिमाद्री

Inner Himalaya / Great Himalaya / Himadri

- सर्वाधिक ऊंची पर्वत श्रेणी
- सदैव हिम आच्छादित
- नंगा पर्वत -नामचा बरवा पर्वत
- सिंधु नदी मोड़ से ब्रह्मपुत्र नदी मोड़
- लंबाई- 2400 किलोमीटर
- औसत चौड़ाई 25 किलोमीटर
- औसत ऊंचाई 6100 मीटर
- प्रमुख चोटिया: माउंट एवरेस्ट, कंचनजंगा, मकालु ,नंदा-देवी ,त्रिशूल, बद्रीनाथ ,केदारनाथ

<u>प्रमुख हिमनद</u>

- **मिलाम, गंगोत्री ,जेमू इत्यादि ।**

<u>प्रमुख दर्रे</u>

- **कश्मीर – बुर्जिल, जोजीला**
- **हिमाचल प्रदेश- बड़ा लाचा ला, शिपकी ला**
- **उत्तराखंड -थांगला , नीति, लिपुलेख**
- **सिक्किम- नाथूला, जीपला**

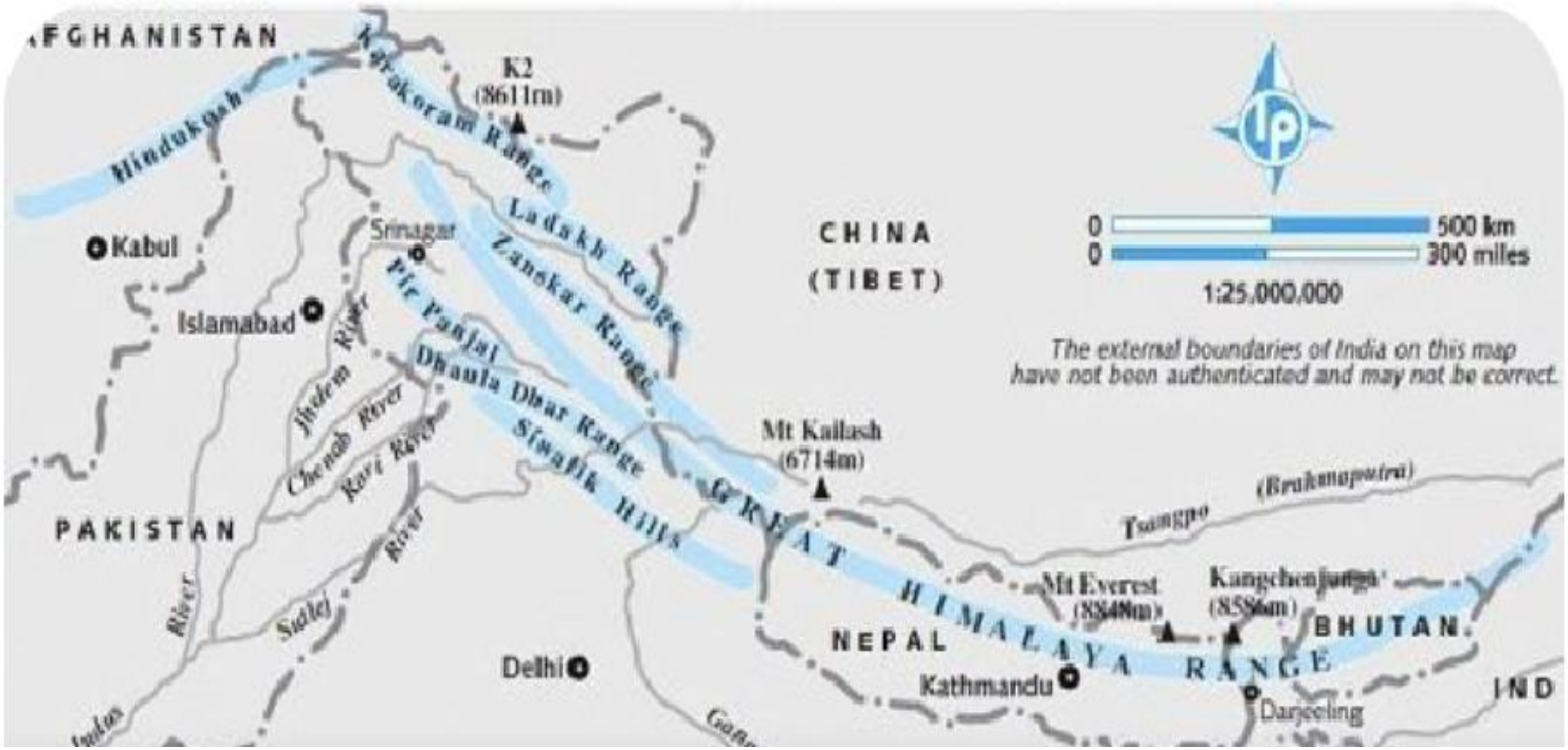

AFGHANISTAN
Hindukosh
Karakoram Range
K2
(8611m)
Ladakh Range
Zanskar Range
Pir Panjal
Dhaula Dhar Range
Siwalik Hills
GREAT HIMALAYA RANGE
CHINA
(TIBET)
Kabul
Srinagar
Islamabad
Jhelum River
Chenab River
Ravi River
River
Sutlej
River
Indus
PAKISTAN
Delhi
Mt Kailash
(6714m)
Tsangpo
(Brahmaputra)
Mt Everest
Kangchenjunga
BHUTAN
NEPAL
Kathmandu
Darjeeling
IND
0
500 km
0
300 miles
1:25,000,000
The external boundaries of India on this map have not been authenticated and may not be correct.

मध्य हिमालय / लघु- हिमालय
Middle Himalaya / Lesser Himalaya

- यह श्रेणी महान हिमालय के दक्षिण मेउसके समानांतर फैली है।
- पीर पंजाल धौलाधार की प्रमुख श्रेणियां है।
- औसत ऊंचाई 4000 मीटर।
- चौड़ाई 80 – 100 किलोमीटर।
- प्रमुख पर्यटन स्थल- शिमला, मसूरी, नैनीताल, रानीखेत इसी श्रेणी में स्थित है।
- प्रमुख दर्रे -पीर पंजाल, बनिहाल

- ढालों पर छोटे-छोटे घास के मैदान पाए जाते हैं, जिन्हें कश्मीर में मर्ग- गुलमर्ग, टनमर्ग एवं उत्तराखंड में बुग्याल एवं पयार कहते हैं।

- महान हिमालय एवं मध्य हिमालय के बीच विशाल सीमांत दरार (Great Boundary Fault) पाई जाती है ,जो पंजाब से असम राज्य तक विस्तृत हैi

- प्रमुख घाटियां :-कश्मीर की घाटी, काठमांडू घाटी, कांगड़ा घाटी, कुल्लू घाटी।

उप- हिमालय / बाह्य हिमालय / शिवालिक
Sub- Himalaya / Outer Himalaya / Shivaliks

- हिमालय की सबसे दक्षिणी पर्वती श्रेणी।
- पंजाब में पोटवार बेसिन से कोशी नदी तक कोसी नदी तक फैला हुआ है।
- इसके आगे यह मध्य हिमालय के साथ संबंध हो गई है।
- पूर्व में पुनः अरुणाचल प्रदेश में विस्तृत है जहां पर इसकी चौड़ाई 15 से 30 किलोमीटर है जबकि हिमाचल प्रदेश और पंजाब में इसकी चौड़ाई 50 किलोमीटर है।
- इस श्रेणी की औसत ऊंचाई 600 से 15 मीटर के बीच पाई जाती है।
- शिवालिक को जम्मू में जम्मू पहाड़ियां तथा अरुणाचल प्रदेश में दाफला , मीरी, मिशमी, अबोर पहाड़ियों के नाम से जाना जाता है।

- यह हिमालय की सबसे नवीन श्रेणी है।
- भूस्खलन एवं भारी कटाव के कारण गहरी घाटियां पाई जाती है।
- शिवालिक पर्वत श्रेणी एवं मध्य हिमालय पर्वत श्रेणी के बीच अनेक घटिया पाई जाती है।
- इनको पश्चिम एवं मध्य भाग में दून (देहरादून ,पाटलीदून) तथा पूर्व में द्वार (हरिद्वार) कहते हैं।

ट्रांस हिमालय / तिब्बत हिमालय
Trans Himalaya / Tibbet Himalaya

- यह पर्वत श्रेणी महान हिमालय के उत्तर में स्थित है।
- इस श्रेणी के बारे में सबसे पहले 1906 में SWEN HYDEN ने वर्णन किया था।
- काराकोरम, लद्दाख, जास्कर, कैलाश इसकी प्रमुख पर्वत श्रेणियां है।
- इसका उत्तर पश्चिमी भाग महान हिमालय समानांतर विस्तृत है जहां पर काराकोरम श्रेणी स्थित है।
  - काराकोरम श्रेणी को एशिया की रीढ कहां गया है।
  - यह श्रेणी 1000 किलोमीटर लंबी।
  - मध्य भाग में 225 किलोमीटर चौड़ी, पूर्वी एवं पश्चिमी किनारों पर इसकी चौड़ाई 40 किलोमीटर ही रह जाती है।
  - इसकी औसत ऊंचाई लगभग 3000 मीटर है।
  - इस श्रेणी की प्रमुख चोटियां- गॉडविन ऑस्टिन ,हिडन ,ब्रॉड पीक मासर ब्रूम

- ट्रांस हिमालय अवसादी चट्टानों से बना हुआ है।
- वनस्पति का पूर्णतया अभाव पाया जाता है।
- यह श्रेणी सतलज, सिंधु एवं ब्रह्मपुत्र नदियों को जन्म देती है।
- ट्रांस हिमालय के प्रमुख हिमनद- बीआफो, बाल्टरों ,सियाचिन, हिस्पार, बटूरा।

हिमालय पर्वत श्रेणी का प्रादेशिक वर्गीकरण अथवा भौगोलिक वर्गीकरण

- O.H.K Spate ने हिमालय को पांच समानांतर कटिबंध में बांटा है:-
  - 1.बाह्य हिमालय
  - 2.लघु हिमालय
  - 3.पर्वतीय भुजाओं का क्षेत्र
  - 4.महान हिमालय
  - 5.सिंधु ब्रह्मपुत्र का भाग

- Sydney Burnad नामक भूगर्भ शास्त्री ने नदी घाटियों के आधार पर हिमालय का वर्गीकरण किया।
- हिमालय की पश्चिमी सीमा सिंधु नदी एवं पूर्वी सीमा ब्रह्मपुत्र नदी द्वारा निर्धारित की।
- इन्होंने हिमालय को 4 प्रदेशों में बांटा है:-
- <u>1.पंजाब हिमालय :</u>
  - इसका विस्तार सिंधु नदी से सतलज नदी तक है।
  - लंबाई 560 किलोमीटर।
  - कश्मीर और हिमाचल प्रदेश राज्यों में फैला हुआ है।
  - इसकी प्रमुख श्रेणियां - लद्दाख, काराकोरम, जास्कर, पीर-पंजाल, धौलाधार है।
  - उत्तरी ढाल निर्जन उबड़ खाबड़ एवं शुष्क तथा दक्षिणी ढाल पर वनों की प्रधानता है।

2. कुमायूं हिमालय :

- इसका विस्तार सतलज नदी से काली नदी तक है।
- इसकी लंबाई 320 किलोमीटर ।
- यह प्रमुखता उत्तराखंड राज्य में फैला हुआ है।
- इसका पश्चिमी भाग गढ़वाल एवं पूर्वी भाग कुमायूं हिमालय कहलाता है।
- यह पंजाब हिमालय की अपेक्षा अधिक ऊंचा है।
- इसकी प्रमुख चोटियां –बद्रीनाथ, केदारनाथ, त्रिशूल ,माना, गंगोत्री, नंदा देवी, कामेत है।
- गंगा एवं यमुना नदियों का उद्गम स्थल है ।
- प्रमुख पर्यटन स्थल नैनीताल मसूरी भीमताल इसी में स्थित है।

3. नेपाल हिमालय:

- इसका विस्तार काली नदी से तीस्ता नदी तक है ।
- इसकी लंबाई 800 किलोमीटर है।
- यह कुमायूं हिमालय की अपेक्षा अधिक ऊंचा है ।
- हिमालय की सबसे ऊंची चोटियां भाग में पाई जाती है ।
- प्रमुख चोटियां- माउंट एवरेस्ट, मंकालू, कंचनजंगा इसी में स्थित है।
- इस भाग का प्रमुख विस्तार नेपाल देश में है।

4. असम हिमालय:

- इसका विस्तार तीस्ता नदी से लेकर ब्रह्मपुत्र नदी तक है।
- इसकी लंबाई 750 किलोमीटर है।
- इस भाग का विस्तार सिक्किम ,असम, अरुणाचल-प्रदेश राज्यों में एवं भूटान देश में है।
- इस श्रेणी का ढाल मैदान की और बहुत तीव्र है।
- इस प्रदेश की प्रमुख चोटियां कुला –कांगड़ी, मल्हारी, चूमलहारी ,जांग – सांगला, नामचा बरवा।
- इस भाग की प्रमुख नदियां – देवांग, देहांग, लोहित एवं ब्रह्मपुत्र है।

धन्यवाद